



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, मंगलवार, 12 जून, 2007/22 ज्येष्ठ, 1929

हिमाचल प्रदेश सरकार

कार्यालय जिला पंचायत अधिकारी, चम्बा, जिला चम्बा, हिमाचल प्रदेश

कारण बताओ नोटिस

चम्बा, 8 मई, 2007

क्र० सं० सी०बी०ए०-जांच/2007-08-1039-46.—चूंकि खण्ड विकास अधिकारी सलूणी ने अपने पत्र संख्या 216, दिनांक 10-4-2007 तथा प्रभारी थाना खैरी चम्बा ने अपने पत्र संख्या 1128-30/एसए, दिनांक 3-4-2007 के अनुसार इस कार्यालय को सूचित किया है कि आपने भारतीय वन अधिनियम (आई० एफ० ए०) की धारा 41 व 42 की उल्लंघना की है तथा आप दिनांक 30-3-2007 से 1-4-2007 तक पुलिस हिरासत में रहे व दिनांक 2-4-2007 को जमानत पर रिहा हुए हैं।

और क्योंकि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 145 (ए) अनुसार सरकार ऐसे पंचायत पदाधिकारी को उसके पद से निलम्बित कर देगी जो कि भारतीय वन अधिनियम (आई० एफ० ए०) की धारा 41 व 42 के आरोप में विरचित किये गये हों।

अतः इससे पूर्व कि आपके विरुद्ध हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 145 के अन्तर्गत कार्यवाही अमल में लाई जाए, आप अपना स्पष्टीकरण 10 दिनों के भीतर-भीतर इस कार्यालय को

भेजवा सुनिश्चित करें अन्यथा एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जाएगी, जिसके लिए आप स्व उत्तरदायी होंगे।

हस्ताक्षरित/-
जिला पंचायत अधिकारी,
चम्बा, जिला चम्बा (हि० प्र०)।

कार्यालय जिला निर्वाचन अधिकारी (पं०) एवं उपायुक्त, जिला किन्नौर स्थित रिकांग पिओ

अधिसूचना

रिकांग पिओ, 7 मई 2007

संख्या कनर (उप चुनाव)/2006-4899-4910.—हिमाचल प्रदेश पंचायती राज निर्वाचन नियम, 1994 के नियम 49 के अन्तर्गत विकास खण्ड पूह के ग्राम पंचायत मूरंग के उप-चुनाव में निर्विरोध उप-प्रधान के परिणाम घोषित किए गये हैं।

अतः मैं, बी० आर० वर्मा, उपायुक्त किन्नौर, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 126 के अधीन एतद्वारा नीचे दी गई सारणी के सतम्भ में वर्णित उप-प्रधान का नाम जन-साधारण की जानकारी हेतु अधिसूचित करता हूँ :—

क्रमांक	ग्राम सभा का नाम	उप-प्रधान का नाम व पता	निर्विरोध/विरोध
1.	मूरंग	श्री राजेश्वर सिंह पुत्र श्री सुन्दर सिंह, ग्राम व डाकघर मूरंग, तहसील मूरंग, जिला किन्नौर, हिमाचल प्रदेश।	निर्विरोध

बी० आर० वर्मा,
उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (पं०),
जिला किन्नौर स्थित रिकांग पिओ।

कार्यालय जिला पंचायत अधिकारी, शिमला, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश

कार्यालय आदेश

शिमला, 27 अप्रैल, 2007

संख्या पी०सी०एच०-एस०एम०एल०-(रिक्त पद)-8/2003-3348-52.—यह कि श्री सतीश कुमार, सदस्य, ग्राम पंचायत सौलग, वाई नं० 3 ने अपने शैक्षिक एवं व्यवसायिक कारणों से दिनांक 7-1-2007 को ग्राम पंचायत सौलग के सदस्य पद से त्याग-पत्र दिया है। श्री सतीश कुमार, सदस्य ग्राम पंचायत सौलग के त्याग-पत्र को खण्ड विकास अधिकारी जुब्बल-कोटखाई ने स्वीकृत करने की सिफारिश की है।

अतः मैं, जोगिन्द्र कुमार शर्मा, जिला पंचायत अधिकारी, शिमला, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 130(1) तथा हिमाचल प्रदेश (सामान्य) नियम के नियम 135 के अन्तर्गत निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुये श्री सतीश कुमार, मदस्य ग्राम पंचायत सोलंग के त्याग-पत्र को स्वीकार करता हूँ ।

शिमला, 11 मई, 2007

संख्या पी0 सी0 एच0-एस0 एम0 एल0 (रिक्त पद)-8/2003-3943-47.—यह कि श्री जितेन्द्र कुमार, उप-प्रधान, ग्राम पंचायत रणटाडी सीमा ने वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में प्रवक्ता इतिहास पी0 टी0 ए0 में नियुक्ति होने के कारण दिनांक 28-2-2007 को ग्राम पंचायत रणटाडी सीमा के वार्ड नं0 4, व उप-प्रधान पद से त्याग-पत्र दिया है । उक्त त्याग-पत्र को खण्ड विकास अधिकारी, रोहडू ने स्वीकृत करने की सिफारिश की है ।

अतः मैं, जोगिन्द्र कुमार शर्मा, जिला पंचायत अधिकारी, शिमला, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 130 (1) तथा हिमाचल प्रदेश (सामान्य) नियम के नियम 135 के अन्तर्गत निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए, श्री जितेन्द्र कुमार, उप-प्रधान व मदस्य वार्ड नं0 4, ग्राम पंचायत रणटाडी सीमा के त्याग-पत्र को स्वीकार करता हूँ ।

कारण बताओ नोटिस

शिमला, 29 मई, 2007

संख्या पी सी एच-एसएमएलए (10) 184/82-4538-43.—यह कि ग्राम पंचायत तांगणू जांगलिख, विकास खण्ड छोहारा, जिला शिमला का अवधि 1-4-2006 से 31-9-2007 का अंकेक्षण किया गया जिसमें प्रधान श्री भगत चन्द, गांव तांगणू, डाकघर तांगणू, तहसील चडगांव की श्री देवराज, सचिव, ग्राम पंचायत तांगणू से मिली-भगत करके स्पष्ट रूप से निम्नलिखित गम्भीर आपत्तियों/सरकारी धनराशि के दुरुपयोग व विकास कार्यों के निष्पादन में ढील बरतने में संलिप्त पाए गए हैं :—

यह कि श्री भगत चन्द, प्रधान द्वारा निष्पादित किए गए किसी भी विकास कार्य की मूल्यांकन रिपोर्ट अंकेक्षण के समय प्रस्तुत नहीं की गई । आप द्वारा इन प्रलेखों को प्रस्तुत न करने के कारण निष्पादित विकास कार्य की मूल्यांकन व पूर्ति प्रमाण-पत्र प्रस्तुत न करने के कारण विकास कार्य पर किए गए व्यय की पुष्टि न हो पाई, आप द्वारा किया गया व्यय सन्देशप्रव प्रतीत होता है ।

यह कि उक्त श्री भगत चन्द प्रधान द्वारा पंचायत का आय-व्यय न तो पंचायत की मासिक बैठक व न ही त्रैमासिक बैठक में नियमित रूप से पारित करवाया गया जब तक समस्त वार्षिक व्यय ग्राम सभा में पारित नहीं होता स्पष्ट है कि प्रधान द्वारा किया गया व्यय अवैध व सन्देश के घेरे में है ।

यह कि उक्त श्री भगत चन्द, प्रधान, ग्राम पंचायत तांगणू जांगलिख अपने कार्य व कर्तव्य को हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 व उसके अन्तर्गत बने नियमों के अधीन निभाने में पूर्णतः असफल रहे हैं जिससे धनराशि का दुरुपयोग हुआ है और इस कृत्य से प्रधान जैसे पद की गरिमा को भी डेसलगी है ।

यह कि अंकेक्षण रिपोर्ट के मुताबिक उक्त श्री भगत चन्द प्रधान द्वारा पंचायत का निम्न नकद शेष अपने पास रखा ब्योरा निम्न रूप से है :—

माह जिसमें नकद शेष रखा गया	अवधि/दिन	नकद शेष राशि	12 प्रतिशत ब्याज अनुसार राशि काबिले बसूली
1	2	3	4
3/2006	30	24900.00	245.00
4/2006	30	15055.00	148.00
5/2006	30	18555.00	183.00
6/2006	30	18771.00	185.00
7/2006	30	18771.00	185.00
8/2006	30	33961.00	334.00
9/2006	30	33961.00	334.00
10/2006	30	34761.00	431.00
11/2006	30	43721.00	431.00
12/2006	30	91721.00	904.00
1/2007	30	133871.00	1320.00
2/2007	30	229921.00	2267.00
3/2007	30	63615.00	627.00
योग ..			7594.00

स्पष्ट है कि उक्त प्रधान द्वारा पंचायत की उपरोक्त धनराशि अनाधिकृत रूप से अपने पास रखी जिसका ब्याज मु0 7,594/- रुपये बनता है । इस प्रकार आपकी मंशा सन्देह-प्रद प्रतीत होती है ।

यह कि दिनांक 31-3-2007 तक की अंकेक्षण रिपोर्ट अनुसार उक्त प्रधान द्वारा दिनांक 13-6-2006 को मु0 35,600/- रुपये की निकासी की तथा दिनांक 31-3-2007 तक इस राशि का कोई हिसाब-किताब पंचायत में नहीं दिया स्पष्ट है कि उक्त प्रधान द्वारा मु0 35,600/- रुपये की राशि अनाधिकृत रूप से अपने पास रखी तथा राशि का दुरुपयोग किया ।

यह कि अंकेक्षण के दौरान यह पाया गया कि अधिकतर रसीदों में न तो राशि प्राप्त की दिनांक अंकित की गई और न ही राशि प्राप्तकर्ता के हस्ताक्षर करवाए गए जो कि अनियमित है ।

यह कि पंचायत द्वारा क्रय की निर्माण सामग्री क्रय करने से पूर्व विधिवत न्यूनतम दरें आमंत्रित की गई जिसमें स्पष्ट है कि पंचायत में आप द्वारा निष्पादित कार्य व कार्य-प्रणाली सन्देह-प्रद है ।

यह कि विकासात्मक कार्यों के लिए बनाए गए मस्टरोल का इन्द्राज न तो मस्टरोल जारी करने के रजिस्टर में किया गया और न ही मजदूरों की दिहाड़ियों का दैनिक योग दिया गया जिससे प्रतीत होता है कि मस्टरोल एक ही दिन में तैयार किया गया, जो कि सन्देह-प्रद है ।

यह कि निर्माण रास्ता माईला हेतु मस्टरोल माह जून, 2006 का व्यय मु0 5,980/- रुपये रोकड़ पृष्ठ 59 माह अप्रैल, 2006 में करवाया गया जबकि रोकड़ में इन्द्राज एक माह पूर्व ही किया है, स्पष्ट है कि प्रधान द्वारा राशि के दुरुपयोग की मंशा से ऐसा किया ।

यह कि निर्माण कार्य खच्चर मार्ग तांगणू से मापला हेतु प्रयुक्त मस्टरोल जुलाई, 2006 का व्यय मु० 13,585/- रुपये रोकड़ पृष्ठ 62 दिनांक जून, 2006 को दर्ज पाया गया। इस मस्टरोल में क्रम संख्या 11 पर अंकित मजदूर श्री गोपी चन्द सुपुत्र श्री ज्ञान चन्द को 9 दिनों की मु० 65/- रुपये प्रतिदिन के हिसाब से मु० 585/- रुपये की अदायगी दर्शाई गई जबकि मजदूरी के मस्टरोल पर राशि प्राप्त करने सम्बन्धी हस्ताक्षर नहीं पाए गए। मस्टरोल जाली व शंकाप्रद प्रतीत होते हैं क्योंकि कार्य माह जुलाई, 2006 में दर्ज किया गया जबकि रोकड़ में इन्द्राज जून, 2006 में एक माह पूर्व ही कर लिया गया, स्पष्ट है कि उक्त प्रधान द्वारा राशि के द्विनियोज मंशा से ऐसा किया।

यह कि अंकेक्षण अनुसार यह भी पाया गया कि दिनांक 31-3-2007 तक आपके पास मु० 63,615/- रुपये की राशि आपके पास नकद शेष है जोकि नियमों के विपरीत है तथा सन्देह उत्पन्न करता है।

स्पष्ट है कि उक्त श्री भगत चन्द, प्रधान ग्राम पंचायत तांगणू जांगलिख द्वारा निष्पादित समस्त विकास कार्यों के स्वीकृति पत्र, प्राकलन मूल्यांकन पूर्ति प्रमाण-पत्र व नकद शेष अपने पास रखकर पंचायत की कार्यप्रणाली को व्यवस्थित रखने में बाधा उत्पन्न की वही पंचायत घनराशि के दुरुपयोग में भी आपकी संलिप्तता पाई गई।

अतः मैं, जोगिन्द्र शर्मा, जिला पंचायत अधिकारी उन शक्तियों के अधीन जो कि मुझे हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 145 (2) में निहित है, का प्रयोग करते हुए, श्री भगत चन्द, प्रधान, ग्राम पंचायत तांगणू जांगलिख, विकास खण्ड छौहारा, जिला शिमला कारण बताओ नोटिस देता हूँ कि क्यों न उपरोक्त कृत्य के लिए उन्हें उनके पद से निलम्बित किया जाए। उनका उत्तर इस नोटिस की प्राप्ति के 16 के दिनों भीतर-भीतर खण्ड विकास अधिकारी, छौहारा के माध्यम से पहुंच जाना चाहिए अन्यथा यह समझा जाएगा कि वह अपने पक्ष में कुछ कहना नहीं चाहते और एक तरफा कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

हस्ताक्षरित/-
जिला पंचायत अधिकारी,
शिमला, जिला शिमला,
हिमाचल प्रदेश।

कार्यालय उपायुक्त सोलन, जिला सोलन, हिमाचल प्रदेश

कार्यालय आदेश

सोलन-173211, 9 मई, 2007

संख्या सोलन-3-92 (पंच)/92-III-2881.-खण्ड विकास अधिकारी नालागढ़, जिला सोलन, हिमाचल प्रदेश ने उनके पत्र सं० डी० बी० नलग (पंच) रिक्त स्थान/2007-360, दिनांक 24-4-2007 द्वारा इस कार्यालय को सूचित किया है कि उनके विकास खण्ड के श्री कर्म चन्द, पंचायत सदस्य, वार्ड नं० 4, ग्राम पंचायत करसौली की मृत्यु दिनांक 20-2-2007 को हो गई है जिसके फलस्वरूप उनका पद रिक्त हो चुका है।

अतः मैं, राकेश कुमार (भा० प्र० से०), उपायुक्त सोलन, जिला सोलन, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज

अधिनियम, 1994 की धारा 131 (2) व (4) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये, उपरोक्त वर्णित स्थान को उपरोक्त दर्शाई गई तिथि से रिक्त घोषित करता हूं।

राकेश कुमार,
उपायुक्त सोलन,
जिला सोलन, हिमाचल प्रदेश।